

## आयुक्त(अपील )का कार्यालय, Office of the Commissioner (Appeal),



केंद्रीय जीएसरी, अपील आयुक्तालय,अहमदाबाद Central GST, Appeal Commissionerate, Ahmedabad जीएसरी भतन, राजरसमार्ग, अन्यवाजीअहमदाबाद२८००१५, CGST Bhavan, Revence Marg, Ambawad, Ahmodabad 38005 90 07926300565 – रेरेलेक्स07926305136

# DIN: 20231164SW000000AEF8

# स्पीड पोस्ट

- ক ডাহ্বল মান্দ্র্যা : File No : GAPPL/COM/STP/4474/2023 / ৫३/. S~ 19
- थ अभील आदेश संख्या Order-In-Appeal No. AHM-EXCUS-001-APP-182/2023-24 हिलॉक Date: 29-11-2023 जारी करने की तारीख Date of Issue 30.11.2023
  - आयुक्त (अपील) द्वारा पारित Passed by Shri Gyan Chand Jain, Commissioner (Appeals)
- 可 Arising out of OIO No. MP/348/DC/DIv-IV/2022-23 程前で: 24.03.2023 passed by The Deputy Commissioner, CGST, Division-IV, Ahmedabad South.
- ध अपीलकर्ता का नामए वं पता Name & Address

#### Appellant W.s. Manubhai Kuvarjibhai Prajapati, C-48, Chaitanya Tenament, Part-II, Behind Mony Hotel, Ishanpur, Ahmedabad-380443.

केई य्य वित इस अपील आदेश से असंतोष अनुमव करता है तो वह इस आदेश के प्रति प्रयाश्थिति नीचे बताए गए सक्षम अधिकारी को अपील या पुनरीक्षण आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।

Any person aggrieved by this Order-In-Appeal may file an appeal or revision application, as the one may be against such order, to the appropriate authority in the following way :

भारत सरकार का पुनरीक्षण आवेदन

## Revision application to Government of India:

(i) केन्द्रीय उत्पादन शुरुक अधिनियन, 1994 की घारा अठत नीचे बताए गए मामतों के बारे में पूरीवत धारा को उप-बाद के प्रथम परन्तुक के वंगर्नत दुन्नरिक्षण आदेवन अभीन सचिव, गारत सरकार, दित्त मंत्रावय, राजवर तिमान, वोची नॉवेलर, पीवन दी मानप, संवद मार्ग, देदी दिर्ली: 1000रा को की जानी चाहिए।

(i) A revision application lies to the Under Secretary, to the Govt. of India, Revision Application Unit Ministry of Finance, Department of Revenue, 4<sup>th</sup> Floor, Jeavan Deep Building, Parliament Street, New Delhi - 110.001 under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first provide to subsection (1) of Section-35 bibl :

(9) यदि माल की हानि के मामले में जब ऐसी हानिकार खाने से किसी मन्द्रनार या अन्य काश्वाने में या किसी मन्द्रागर से दुसरे मन्द्रमार में माल से ठालों छुए मार्ग में, या किसी मन्द्रागार या मन्द्रार में चाहे यह किसी कालसने में या किसी मन्द्रमार में जान की प्रसिद्धन के दीवन हुई हो।

(ii) In case of any loss of goods where the loss occur in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in a sorger whether in a factory or in a warehouse.



- (b) भारत के बाहर किसी साडू या प्रदेश में निर्यातित माल पर या माल के विनिर्माण में उपयोग शुल्क कच्चे माल पर उत्पादन शुल्क के रिवेट के मानतें में जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित है।
- (A) In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.
- (a) यदि शल्क का भगतान किए बिना भारत के बाहर (नेपाल या भूटान को) निर्यात किया गया माल हो।
- (B) In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.

अंतिम जरपादन की जरपादन युरक्त के मुगतान के लिए जो ढन्यूटी केविट मान्य की गई है और ऐसे आरेम जो इस घारा एवं नियम के मुजाविक जायुक्त, जरील के द्वारा पारित थे समय पर या बाद में विस्त अंतिरियम (नंद्र) 1988 चारा 108 हारा नियक्त किए नाए हो।

- (c) Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under and such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec.109 of the Finance (No.2) Act. 1989.
- (i) কাঁশ্বলৈ বহেৰেন মুক্ত (মন্দ্ৰীক) নিমন্দ্ৰমেই, 2001 কাঁ নিয়ন ৪ কাঁ কাঁনে মিনিহিঁত য়নন মাঠনা হং-০ में ये ग्रे ग्रिवेंग में भ्रेसिय संदेश के प्रति कार्टन श्रेसित निर्मोक से तीन मास के मौरान्यूल-आयोध पर कॉगेत আनेस की भे-न्ये ग्रेसियों के साथ प्रतिक अपेन निष्ठेण प्राजा मार्डिए स्वर्कों साथ प्रता ३३ का गुप्र भी में के जानंद सारा ३४-३ में निर्मालिय की के पुगतन के सहुत के साथ टीआर-० चालान की ग्रेरि मी डोनी भाषिए।

The shows application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Radis 9 of Contral Licensie (Appealls Neisea, 2001 within 5 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies and in the OLIO and Order-An-popul. It should allow be accompanied by a SpEE of CEA. 1944, under Major Hand of Account.

(2) रिविजन आवेदन के साथ जहाँ संसन्न रकन एक साख रूपये या उससे कम होतो रूपये 200/-फीस भगतान की जाए और वाहाँ संसन्नरकन एक साख से ज्यादा हो तो 1000/- की फीस मुगतान की जाए।

The revision application shall be accompanied by a fee of Rs.200/- where the amount involved is Rupees One Lac or less and Rs.1,000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

सीमा शुल्क, केम्प्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवा कर अपीक्षीय न्यायाधिकरन के प्रति अपीक>-Appeal to Custom, Excise, & Service Tax Appellate Tribunal.

क्रेन्द्रीय उत्पादन सुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-बी/35-इ के अंतर्गत-

Under Section 35B/ 35E of CEA, 1944 an appeal lies to :-

- (७) चक्तलिखित परिष्ठेद २ (१) क में स्वार अनुसार के अलावा की अपील, अपीलो के मामले में सीमा शुरुक, केन्द्रीय चत्यावन बुरुक एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरन<u>[किस्टेट</u>] की परियम क्षेत्रीय पीठिका, अहमदाबाद में 2<sup>nd</sup> माला, बहुमाली भवन , असरवा , गिरधरनागर, अहमदाबाद–380004
- (a) To the west regional bench of Customs, Excise & Scruice Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at 2<sup>st</sup> Floor, Bahumali Bhawan, Asarwa, Girdhar Nagar, Ahmedabad : 380004. In case of appeals other than as mentioned in para-20() as above.



The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicatin in form EA-3 as prescribed under Rule of Contain Excisio/Appeal Rules, 2001 and shall be accompanied application and the statistication of the stati

(3) यदि इस आदेव में कई मूल आदेवों का समादेव होता है तो प्रत्येक मूल ओदव के लिए पीम का मुगतान एपर्युत्ता दंग से किया जाना चाहिए इस तथय के होता हुए मी कि लित्वा पक्षी कार्य से बचने के लिए प्रत्याधिवरी कामीदान प्याधिकरण को एक अदिला या केन्द्रीय स्वरत्या के प्रत्या स्वरता की एक आदेवन किया जाता है।

In case of the order covers a number of order-in-Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner not withstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lacs fee of Rs.100/- for each.

(4) न्यायात्म्य शुरुवाअधिनियम् १९९० स्वयासंसोधित की अनुसुष्ट्री=-। के अंतर्गत निर्वातित किए अनुसार उपरा आरोदन या मुरुआप्रेस क्यासियति निर्मातम प्रविक्षती के जादेश में से प्रत्येक की एक प्रतिपर स.6.50 पैसे कार्यायात्व राष्ठल टिकट- तथा डोना चाहिए।

One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjournment authorfty shall a court fee stamp of Rs.6.50 paise as prescribed under scheduled-I item of the court fee Act, 1975 as amended.

(5) इन ओर संबंधित मामलों को नियंत्रन करने सले नियमों की ओर भी व्यान आकर्षित किया जाता है जो सीना शुरुक, केन्द्रीय उत्पादन शुरुक एवं सेवाकर अपीलीय न्यायांविकरण (कार्याविधि) नियम, 1982 में निहित है।

Attention is invited to the rules covering these and other related matter contended in the Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

> 19 सीमा शुरुक, केन्द्रीय जरमादन शुरुक एवं सेयाकए अपीलिय न्यायाधिकरण(शिसटेट), के प्रतिअपीलो के मामले में कार्वजमांग्यDemand) एवं वेदाएकाक्षेत्र) का 10% पूर्व बमा करना अदीवार्य हैं। इस्तांकि, अधिकतम घूर्व जमा 10 करोड़ रुपए हैं (Section 35 F of the Central Excise Act, 1944, Section 36 & Section 86 of the Finance Act, 1944)

केन्द्रीय उत्पाद शत्क और सेवाकर के अंतर्गत, शामिल होगा "कर्तव्य की मांग"(Duty Demanded)-

- a. (Section) खंड 11D के तहत निर्धारित राथि;
- इण सिया गतत सेनवेट क्रेडिट की राथि;

बण सेनवेट क्रेडिट नियमों के नियम 6 के तहत देव राशि.

> यह पूर्व जमा 'संबित अपील' में पहले पूर्व जमा की दुलना में, अपील' चाखिल करने के लिए पूर्व यार्व बना दिया गया है.

For an appeal to be filed before the CESTAT, 10% of the Duty & Penalty confirmed by the Appellate Commissioner would have to be pre-deposited, provided that the predeposit amount shall not exceed Fas1 Corces. It may be noted that the pre-deposit as mandatory condition for filing appeal before CESTAT. (Section 36 C (2A) and 35 F of the Central Exceed Act, 949, Section 35 Section 86 of the Pranet Act, 1994)

Under Central Excise and Service Tax, "Duty demanded" shall include:

- (i) amount determined under Section 11 D;
- (ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
- (iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules.

।॥) वालपान एवनुव्याय जातना हुए वालपान प्रमुख्य वा युद्धक या युद्धक या युद्धक विद्या है। इस आदेय के प्रति अपील प्राधिकरण के समक्ष बढाँ सुरक अथवा सुरक्ष या युद्धक थी विद्यु हो तो माँग किए गए सुरक के 10% भूगतान पर और यहां केवल दायर विवादित हो तब दुण्ड के 10% धुनतान पर की चा सकती है।

In view of above, an appeal against this order shall lie before the "httpsnal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute or penalty, where penalty alone is in dispute."



#### ORDER-IN-APPEAL

The present appeal has been filed by M/s. Manubhai Kuvarjibhai Prajapati, C-48, Chaitanya Tenament Part-II, Behind Mony Hotel, Ishanpur, Ahmedabad-380 443 (hereinafter referred to as "the Appellants") against Order-in-Original No. MP/46/DC/Div. IV/22-23 dated 24.03.2023 (hereinafter referred to as "the impugned order") passed by the Deputy Commissioner, Central GST, Division IV (Narol), Ahmedabad South (hereinafter referred to as "the adjudicating authority").

2. Briefly stated, the facts of the case are that the Appellants is holding PAN No. ALSPP2000L. On scrutiny of the data received from the Central Board of Direct Taxes (CBDT) for period FY 2015-16, it was noticed that the Appellants had earned an income of Rs. 28,54,613/- during FY 2015-16. Accordingly, it appeared that the Appellants had earned the said substantial income by way of providing taxable services but has neither obtained Service Tax registration nor paid the applicable service tax thereon. The Appellants were called upon to submit copies of Balance Sheet, Profit & Loss accounts, Income Tax Returns, Form 26AS, for the said period. However, the Appellants had not responded to the letters issued by the department.

2.1 Subsequently, the Appellants were issued Show Cause Notice No. IV/Div.-IV/SCN-577/20-21 dated 22.04.2021 demanding Service Tax amounting to Ra. 4,13,918/- for the period from FY 2015-16, under proviso to Sub-Section (1) of Section 73 of the Finance Act, 1994; imposition of penalties under Section 77(1) of the Finance Act, 1994, imposition of penalties under Section 78 of the Finance Act, 1994; read with Rule 7C of the Service Tax Rule 1994; and imposition of penalties under Section 78 of the Finance Act, 1994, read with Rule 7C of the Service Tax Rule 1994; and imposition of penalties under Section 78 of the Finance Act, 1994, each imposition of penalties under Section 78 of the Finance Act, 1994, each imposition of penalties under Section 78 of the Finance Act, 1994, each imposition of penalties under Section 78 of the Finance Act, 1994, each imposition of penalties under Section 78 of the Finance Act, 1994, each imposition of penalties under Section 78 of the Finance Act, 1994, each imposition of penalties under Section 78 of the Finance Act, 1994, each imposition of penalties under Section 78 of the Finance Act, 1994, each imposition of penalties under Section 78 of the Finance Act, 1994, each imposition of penalties under Section 78 of the Finance Act, 1994, each imposition of penalties under Section 78 of the Finance Act, 1994, each imposition of penalties under Section 78 of the Finance Act, 1994, each imposition of penalties under Section 78 of the Finance Act, 1994, each imposition of penalties under Section 78 of the Finance Act, 1994, each imposition of penalties under Section 78 of the Finance Act, 1994, each imposition of penalties under Section 78 of the Finance Act, 1994, each imposition of penalties under Section 78 of the Finance Act, 1994, each imposition of penalties under Section 78 of the Finance Act, 1994, each imposition of penalties under Section 78 of the Finance Act, 1994, each imposition for penalties under Section 78 of the Finance Act, 1994, each imposition for penalties under

2.2 The Show Cause Notice was adjudicated vide the impugned order by the adjudicating authority wherein the demand of service Tax amounting to Rs. 41,39,18/. was confirmed under proviso to Sub-Section (1) of Section 73 of the Finance Act, 1994 for he prior FX. 2015-16. Further (i) Penalty of Rs. 4,13,9,18/. was also imposed on the Appellants under Section 78 of the Finance Act, 1994; (ii) Enalty of Rs. 10,000/- was imposed on the Appellants under Section 70 of the Finance Act, 1994; and (iii) Penalty of Rs. 4,000/- was imposed on the Appellants under Section 70 of the Finance Act, 1994; and (iii) Penalty of Rs. 4,000/- was imposed on the Appellants under Section 70 of the Finance Act, 1994; read with Rule 7C of the Service Tax Rule 1994.

 Being aggrieved with the impugned order passed by the adjudicating authority, the Appellants have preferred the present appeal on the following grounds:

- The Appellants are engaged in the business of job work for construction of Residential complex and as per the Notification No. 25/2012-ST dated 20.06.2012 14(b) the Job work or service for construction of Residential complex was exempted from Service tax in the F.Y. 2015-16.
- When the job work or service for construction of residential complex was exempted from Service tax in the F.Y. 2015-16 then the Appellant are not liable to pay the Service Tax in the said F.Y.
- The respected adjudicating authority wrongly passed the order.

4. Personal hearing in the case was held on 24.11.2023. Shri Suresh G. Prajapati, Advocate, appeared on behalf of the appellant for personal hearing. He reiterated the contents of the written submission and requested to allow their appeal. Copy of invoices, Form 26AS, ITR is attached with the applicition.

5

5. I have carefully gone through the facts of the case, grounds of appeal, submissions made in the Appeal Memorandum and documents available on record. The issue to be decided in the resent appeal is whether the impugned order passed by the adjudicating authority, confirming the demand of service tax against the Appellants along with interest and penalty, in the facts and circumstance of the case, is legal and proper or otherwise. The demand pertains to the period P.Y. 2015-16.

6. I find that the main contention of the Appellants are that their income from job work or service for construction of residential complex was exempted from Service tax in the F.Y. 2015-16 was Rs. 27,80,416/-, which was exempted from service tax in the light of provision mentioned in sr. no. 14(b) of the Notification No. 25/2012-Service Tax dated 20/06/2012. For ease of reference, I reproduce the relevant provision of Notification No. 25/2012-ST dated 20.06.2012, which reads as under:

### "Notification No. 25/2012-Service Tax dated 20th June, 2012

G.S.R. 467[8]. In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 93 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994) (hereinafter referred to as the said Act) and in supersession of notification into. 12/2012: Service Tax, dated the 17th March, 2012, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide number 0.5.R. 210 (B), dated the 17th March, 2012, the Central Gazement, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the following traable envices from the whole of the service tax lexiable thereon under section 666 of the said Act, namely.

I....

2.... .... ....

(a)....

14. Services by way of construction erection, commissioning or installation of original works pertaining to -

> (b) "a single residential unit otherwise than of residential complex."

> > 6

7. On scrutiny of the documents viz. Invoices issued by the Appellants during the F.Y. 2015-16; Form 26AS and ITR for the F.Y. 2015-16; which is not ample to justify that the Appellants were doing services of job work for construction of single residential complex. The Appellant have only provided invoices in proof of the claim that they are engaged in the service of construction of single residential complex. The Appellant should be given another opportunity to submit substantial documents in the justification of the claim of the benefit of exemption Notification No. 25/2012-87 (lated 20.06.2012.

8. On careful examination of the submission made by the Appellant's and the impaged order, I find that the Appellant's have failed to produce the documentary evidence before the adjudicating authority in support of his claim. Here also they have only submitted invoices in support of their claim in respect of claim under exemption in the light of provision mentioned in ar. No. 14(b) of Notification No. 26/2012-ST dated 20.06.2012 which is not satisfactory. Accordingly, I remand back the matter to adjudicating authority to re-examine the issue. With this observation the matter is remanded back to the adjudicating authority to decide the matter as discussed hereinabove.

अपील कर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है |

The appeal filed by the Appellants stands disposed of in above terms.

क (अपील्म) सी.जी.एस.टी.अहमदाबाद

आयुक्त (अपील्स) Date :2 9 .11.2023



 $\overline{7}$ 

#### By RPAD / SPEED POST

Τо,

M/s. Manubhai Kuvarjibhai Prajapati, C-48 Chaitanya Tenament Part-II, , Behind Mony Hotel, Ishanpur, Ahmedabad-380 443

Appellants

Respondent

The Deputy Commissioner, CGST,Division-IV(Narol), Ahmedabad South

Copy to :

- The Principal Chief Commissioner, Central GST, Ahmedabad Zone
- 2) The Commissioner, CGST, Ahmedabad South
- The Deputy Commissioner, CGST, Division IV(Narol), Ahmedabad South
- 4) The Assistant Commissioner (HQ System), CGST Ahmedabad South (for uploading the OIA)
- 5 Guard File
  - 6) PA file

